

पर्यटन स्थल के रूप में किया जायेगा सेवाती घाटी को विकसित अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक

देवघर (आससे)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गाँवें विधायक कल्पना सोरेन मुर्मू के कसमार प्रखंड स्थित सेवाती घाटी का निरीक्षण करने के बाद बोकारो जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है. मुख्यमंत्री ने कसमार प्रखंड स्थित सेवाती घाटी झरना को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया है. यह घाटी बंगाल और झारखंड के बॉर्डर पर स्थित है जिस कारण पर्यटन की संभावना काफी अधिक लग रही है.

बोकारो के कसमार प्रखंड स्थित सेवाती घाटी के पर्यटन विकास और सौंदर्यकरण की दिशा में जिला प्रशासन ने पहले तेज कर दी है.

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सेवाती घाटी का भ्रमण कर अधिकारियों को पर्यटन संकट के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया. इस योजना के तहत सड़क के बिना बिटविटी बेहतर करने, स्थानीय हाट-बाजारों को मॉडल बाजार के रूप में विकसित करने और होटल-रेस्तरां में स्थानीय व्यंजनों से सभी 'सेवाती थाली' परसेने की योजना है.

जिला महिला कांग्रेस ने बुके देकर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का किया स्वागत



देवघर (आससे)। गोड्डा लोकसभा स्तरीय डॉ भीमराव अंबेडकर क्रिज प्रतियोगिता 2026 को लेकर देवघर आये झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश का देवघर-जसीडीह मेन लाइन स्थित क्रिज स्थल (एक्सक्लूसिव गार्डन) पर झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव अजय कुमार, देवघर जिला इंटक के जिला अध्यक्ष अनंत मिश्रा, देवघर जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला देवी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिकांत यादव, रमाकांत यादव, रामरेख यादव, देवघर जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष नित्यानंद सेवक, देवघर जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष विकास रावत देवघर जिला इंटक के उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह, जिला इंटक के सचिव अभिषेक सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार, कांग्रेस नेता तुलसी पोद्दार एवं ललु यादव सहित कई और कांग्रेसजनों द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता आज

देवघर (आससे)। जिला कबड्डी संघ, देवघर के तत्वावधान में रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9:00 बजे से जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में देवघर जिले के विभिन्न विद्यालयों, खेल प्रशिक्षण केंद्रों एवं अन्य संस्थानों के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में कबड्डी खेल को बढ़ावा देना, बच्चों एवं युवाओं में खेल के प्रति रुचि विकसित करना तथा उपरती हुई खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता परदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। जिला कबड्डी संघ ने जिले के सभी कबड्डी खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में बहू-चक्रकर भाग लेने तथा अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का परदर्शन करने की अपील की है। देवघर जिला ओलंपिक संघ एवं जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील ख्वाड़े के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से जिले में कबड्डी को नई पहचान देने तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ के सचिव धर्मेद देव, जिला खेल प्राधिकरण, देवघर के सचिव आशीष झा, उपाध्यक्ष संजय मालवीय, वीरेंद्र सिंह, ऋषिराज सिंह, जोगिंदर तिवारी उर्फ जोगी, निर्मल कुमार, आशुतोष कुमार, नवीन शर्मा, राष्ट्रीय कबड्डी रेफरी आलोक कुमार, अशरफ अली, मोनु, रंजीत कुमार, ललित कुमार झा, राजकुमार एवं रोहित कुमार मिश्रा सहित अन्य खेलप्रेमियों की उपस्थिति रहेगी।

गंगोत्री से गंगाजल लेने तीर्थ पुरोहितों का जत्था रवाना



देवघर (आससे)। गोमुख गंगोत्री समाज देवघर के तीर्थ पुरोहितों का एक जत्था बाबा मंदिर में रूद्राभिषेक कर पैदल गंगा जल लेने देवघर से रवाना हुआ। इस कावड़ यात्रा को लेकर जत्था के सदस्यों में भारी उत्साह है। पैदल कर जत्था में कुलदीप ख्वाड़े यश अडेवार राकेश झा, आनंद झा सोनू खबरे अण्णु नौरीन रामबाबू



प्रशासन का मानना है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय लोगों, महिला स्वयं सहायता समूहों और बांस कारीगरों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा होंगे.

कसमार प्रखंड की प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर सेवाती घाटी को पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने की तैयारी है. इसी सिलसिले में उपायुक्त अजय नाथ झा ने अधिकारियों के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया और मौके पर ही बैठक कर पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.



उपायुक्त ने कहा कि सेवाती घाटी धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है. बनारस-कोलकाता राजमार्ग के समीप स्थित होने के कारण यहां पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं. उन्होंने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को पर्यटन संकट के अनुसूच सड़क निर्माण की विस्तृत योजना तैयार करने का निर्देश दिया. साथ ही, विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण और घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया. प्रभारी डीएफओ नीतीश कुमार ने बताया कि दो तरह का

प्रोजेक्ट बनेगा पहले चरण में इस पर काम शुरू किया जाएगा उसके बाद प्रस्ताव राज सरकार के पास भेजा जाएगा क्योंकि यह बैंड का क्षेत्र है पर्यावरण की दृष्टि से कौन से इसको डेवलप किया जाएगा इसमें सीमेंट का कम उपयोग किया जाएगा.

सेवाती घाटी के पर्यटन विकास और सुंदरीकरण से जुड़ी पूरी कार्ययोजना तैयार कर अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजी जाएगी. अब देखना होगा कि इस योजना को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया कितनी तेजी से आगे बढ़ती है।

श्री बाबू को दी गयी श्रद्धांजलि

देवघर (आससे)। कांग्रेस नेता मुन्ना संजय ने कहा है कि महान स्वतंत्रता सेनानी, बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री एवं आधुनिक बिहार के निर्माता डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी, जिन्हें पूरा देश श्रद्धापूर्वक 'श्री बाबू' के नाम से जानता है, की जयंती पर उन्हें शल-त्तु नमन एवं कोटि-कोटि श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

श्री बाबू तपस्या, संघर्ष, राष्ट्रसेवा और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक थे। स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान, जेल की यातनाओं और बिहार के नवनिर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका ने उन्हें देश के महान नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया। आधुनिक बिहार की नौव को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

आज बिहार और झारखंड के अनेक शहरों, मोहल्लों, बाजारों, सड़कों, आवासीय क्षेत्रों एवं शिक्षण संस्थानों के नाम श्रीकृष्ण पुरी, श्रीकृष्ण नगर, श्रीकृष्ण विहार और श्रीकृष्ण एकेडमी जैसे नामों से जुड़े हुए हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि जिन महापुरुष के नाम पर नई पीढ़ी के अनेक युवा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे हैं, उनमें से बहुत से युवाओं को उनके वास्तविक जीवन, संघर्ष, विचारों और ऐतिहासिक योगदान की पर्याप्त जानकारी नहीं है।



देवघर (आससे)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को जांच के उद्देश्य से निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में आज दिनांक 23.10.2026 को सारठ क्षेत्र अंतर्गत अभियान के दौरान विभिन्न मिठाई दुकानों, होटल एवं खाद्य निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों की जांच की गई।

इसके अलावा निरीक्षण के दौरान बैबनाथ लाइन होटल, मौं तारा स्वीट्स, रूख स्वीट्स, बर्मा मिश्रान भंडार, मौं तारा

देवघर (आससे)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए आज दिनांक 23.10.2026 को सूचना भवन सभागार में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी श्री रवि कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देवघर विधानसभा क्षेत्र के तहत अब तक हुए कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना और आ रही विसंगतियों को दूर करना था।

इसके अलावा बैठक के दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी ने एसआईआर-2026 के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

आगे उन्होंने मतदाता सूची से जुड़े विभिन्न प्रपत्रों फार्म-6, फार्म 7 एवं फार्म-8 के डिजिटलाइजेशन और डिस्पोजल की वर्तमान स्थिति



की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को निर्देशित किया कि डाक्यूमेंट अपलोड, डिजिटाइजेशन और फोल्ड वेरिफिकेशन से जुड़ी सभी कार्यों को समयय पूर्ण किया जाए ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी प्रकार की शिथिलता न रहे। वीएलओ द्वारा फॉर्म -6 का कलेक्शन और

डिजिटाइजेशन की समीक्षा की गई तथा उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान बैठक में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, देवघर, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, वीएलओ सुपरवाइजर व संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों ने किया निरीक्षण



केक एंड स्वीट्स, एवं मौं दुर्गा मुरी सहित अन्य खाद्य प्रतितानों की जांच की गई। जांच के दौरान बर्मा मिश्रान भंडार में बेसन के लड्डू में अखाद्य रंग को उपस्थिति पाई गई। संबंधित खाद्य कारोबार संचालक की सहमति से उक्त खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट कराया गया।

इसके अतिरिक्त, खाद्य पदार्थों में स्टाच की उपस्थिति सहित अन्य जांच संबंधी निष्कर्ष भी दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त निरीक्षण के क्रम में कुछ प्रतिष्ठानों में खाद्य कारोबार हेतु उचित लाइसेंस नहीं होने तथा स्वच्छता एवं

अन्य आवश्यक मानकों से संबंधित कमियां पाई गईं। संबंधित खाद्य कारोबार संचालकों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश देते हुए नोटिस जारी किए गए। नोटिस के माध्यम से खाद्य लाइसेंस, जल जांच रिपोर्ट, कीट नियंत्रण व्यवस्था, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र तथा खाद्य लेबलिंग जैसे आवश्यक मानकों के अनुपालन में निर्देश दिए गए।

निरीक्षण अभियान डॉ. रमेश कुमार, डी.ओ.-कम-एसोएमओ, देवघर, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री शैलेश कुमार यादव एवं श्रीमती अंजलि विवा मिंज की टीम की उपस्थिति में चलाया गया। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि

कमियां पाई गईं। संबंधित खाद्य कारोबार संचालकों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश देते हुए नोटिस जारी किए गए। नोटिस के माध्यम से खाद्य लाइसेंस, जल जांच रिपोर्ट, कीट नियंत्रण व्यवस्था, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र तथा खाद्य लेबलिंग जैसे आवश्यक मानकों के अनुपालन में निर्देश दिए गए। निरीक्षण अभियान डॉ. रमेश कुमार, डी.ओ.-कम-एसोएमओ, देवघर, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री शैलेश कुमार यादव एवं श्रीमती अंजलि विवा मिंज की टीम की उपस्थिति में चलाया गया। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि

शांति और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी मां लक्ष्मी को समर्पित

देवघर (आससे)। भारत विविध धर्मों, संस्कृतियों, परंपराओं और त्योहारों का देश है। यहाँ प्रत्येक पर्व अपने साथ कोई न कोई आध्यात्मिक संदेश, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक महत्व लेकर आता है। इन्हीं विशिष्ट पर्वों को जागगरी लक्ष्मी पूजा का विशेष स्थान है। यह पर्व मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा तथा पूर्वी भारत के कई क्षेत्रों में श्रद्धा और उल्लस के साथ मनाया जाता है। बंगाल में इसे ‘कोजागरी लक्ष्मी पूजा’ अथवा ‘कोजागरी लक्ष्मी पूजा’ के नाम से जाना जाता है। यह पूजा आधिन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है, जिसे शरद पूर्णिमा भी कहा जाता है। वर्ष 2026 में कोजागरी लक्ष्मी पूजा (शरद पूर्णिमा) 25 अक्टूबर 2026, रविवार को मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त और तिथि विवरण: पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 25 अक्टूबर 2026 को सुबह 11:55 बजे से, पूर्णिमा तिथि की समाप्ति 26 अक्टूबर 2026 को सुबह 09:41 बजे तक, प्रदोष काल पूजा मुहूर्त शाम 05:22 बजे से रात 08:45 बजे तक, निशिता काल (मुख्य पूजा का समय) रात 11:38 बजे से 26 अक्टूबर की रात 12:28 बजे तक (कुछ पंचांगों के अनुसार 11:40 बजे से 12:31 बजे तक), चंद्रोदय का समय शाम 05:15 बजे के आसपास। मौके पर स्थानीय लेखक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- कोजागरी लक्ष्मी पूजा धन, धान्य, सुख, शांति और

समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी माँ लक्ष्मी को समर्पित है। हिंदू धर्म में माँ लक्ष्मी को भगवान विष्णु की अर्धांगिनी तथा ऐश्वर्य, वैभव, सौभाग्य और समृद्धि की देवी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की निर्मल चाँदनी में माँ लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं।

‘कोजागरी’ शब्द संस्कृत के ‘को जागर्ति’ से संबंधित माना जाता है, जिसका अर्थ है-“कौन जाग रहा है ?’ धार्मिक मान्यता के अनुसार, जाग-सपना की रात्रि में देवी लक्ष्मी जागरण करने वाले श्रद्धालुओं पर अपनी कृपा बरसती हैं। इसी कारण अनेक भक्त रात में जागकर भजन-कीर्तन, मंत्र-जप, पूजा-पाठ और आ्यान करते हैं। हालाँकि, यह धार्मिक आस्था और परंपरा का विषय है, जिसका मूल संदेश परिश्रम, अनुशासन और जागरुकता से जुड़ा है। इस पूजा के दिन घरों की साफ-सफाई की जाती है। घर के मुख्य द्वार और आँगन को सजाया जाता है। बंगाल में महिलाएँ घर के सामने चावल के घोल से सुंदर अरपन्ना बनाती हैं।

अरपन्ना में कमल, शंख, कलश, लक्ष्मी के चरणचिह्न तथा अन्य शुभ प्रतीकों का चित्रण किया जाता है। इस कलात्मक आकृतियों से घर का वातावरण भक्तिपूर्ण और आकर्षक बन जाता है। पूजा के लिए माँ लक्ष्मी की प्रतिमा अथवा चित्र स्थापित किया जाता

है। पूजा स्थल पर कलश, दीपक, धूप, पुष्प, दुर्वा, फल, नारियल, मिठाइयों और विभिन्न प्रकार के नैवेद्य अर्पित किए जाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में इसकी बालियाँ, चावल, नारियल, खीर और



अन्य परंपरिक खाद्य पदार्थों का विशेष महत्त्व होता है। श्रद्धालु माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, शांति और खुशहाली की कामना करते हैं। बंगाल में यह पूजा दुर्गापूजा के कुछ दिनों बाद विशेष उत्साह से मनाई जाती है। जहाँ दुर्गापूजा शक्ति की उपासना का प्रतीक है, वहीं कोजागरी लक्ष्मी पूजा समृद्धि, सौभाग्य और गुणस्थ जीवन का प्रतीक है। मनोकामना से जुड़ी हुई है। इस दिन अनेक घरों में पारंपरिक रिवाजों के अनुसार पूजा होती है और परिवार के सदस्य एक साथ मिलकर धार्मिक

अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। इस पूजा का संबंध शरद पूर्णिमा की चाँदनी से भी है। वर्षा ऋतु के बाद आकाश स्वच्छ होने लगता है और चंद्रमा की उज्ज्वल रोशनी प्रकृति को एक अद्भुत सौंदर्य प्रदान करती है। पूर्णिमा की रात का शांत वातावरण मनुष्य को प्रकृति के निकट आने तथा आत्मचिंतन करने की प्रेरणा देता है।

कई स्थानों पर इस रात खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखने और बाद में प्रसाद के रूप में ग्रहण करने की परंपरा भी प्रचलित है। विभिन्न क्षेत्रों में इसकी विधियाँ अलग-अलग हो सकती हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान और परिवार के साथ आनंदपूर्वक समय बिताने की भावना निहित है।

यह पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत की भी महत्वपूर्ण अंग है। इस अवसर पर परिवार के सदस्य एकजुट होते हैं, पड़ोसियों के बीच आत्मीयता बढ़ती है और समाज में सहयोगी तथा सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

विशेष रूप से बंगाली परिवारों में यह पूजा पारंपरिक संस्कृति, लोककला, अल्पना, धार्मिक संगीत और पारिवारिक संस्कारों की जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बच्चे अपने बड़ों से पूजा की प्रक्रिया और परंपराएँ सीखते हैं। इस प्रकार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सांस्कृतिक मूल्यों का हस्तांतरण होता रहता है। माँ

लक्ष्मी की आराधना हमें यह समझने की प्रेरणा देती है कि वास्तविक समृद्धि केवल धन-संपत्ति तक सीमित नहीं है। परिवार में प्रेम, समाज में सद्भाव, जीवन में संतोष, कार्य में ईमानदारी और विचारों में पवित्रता भी समृद्धि के महत्वपूर्ण रूप हैं। धन का सदुपयोग, परिश्रम का सम्मान, ज़रूरतमंदों की सहायता और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग ऐसे गुण हैं, जो जीवन को सुखमय बनाते हैं। केवल पूजा करने से ही सफलता प्राप्त नहीं होती, बल्कि उसके साथ कर्मनिष्ठ, अनुशासन और सकारात्मक सोच भी आवश्यक हैं।

आज के भौतिकवादी युग में कोजागरी लक्ष्मी पूजा हमें यह याद दिलाती है कि आर्थिक उन्नति के साथ नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का महत्त्वपूर्ण रूप है। जिस घर में परिश्रम, प्रेम, शांति और परस्पर सम्मान होता है, वहीं वास्तविक सुख-समृद्धि का वास होता है। अंततः, कोजागरी लक्ष्मी पूजा श्रद्धा, विश्वास, सौभाग्य और सकारात्मक जीवन-दृष्टि का पावन पर्व है।

यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, अभाव से संतोष की ओर और स्वार्थ से सेवा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस शुभ अवसर पर हम सभी माँ लक्ष्मी से प्रार्थना करें कि प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि बनी रहे तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीयता का प्रकाश सदैव फैलता रहे।

कैप्टन डा. लक्ष्मी सहगल को श्रद्धांजलि

देवघर (आससे)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवादल के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार ने जयंती पर स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन कैप्टन डॉ लक्ष्मी सहगल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे आजाद हिंद फौज की पहली महिला कैप्टन व सुभाष चंद्र बोस की अहम सहयोगी थीं। जहाँ देश के भीतर स्वाधीनता संग्राम को उसकी परिणति तक पहुंचाने का श्रेय महात्मा गांधी और कांग्रेस पार्टी में उनके अनुयायियों को दिया जाता है वहीं दूसरी ओर यह संग्राम देश के बाहर भी चल रहा थी और उन्हीं स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों के बीच अपनी अद्भुत कार्यशैली और अपने साहस से परिपूर्ण संग्राम का हिस्सा कैप्टन डॉ लक्ष्मी सहगल बनी हुई थीं। स्वर्गीय लक्ष्मी सहगल को यह देश सदैव याद रखेगा।

पूर्व रेलवे खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2026-27-115 Date-22.10.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पृथिवर रेलवे, इण्डियनगैर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। क्र.सं. 1:- कार्य का नाम: SRNK-KSJ, सेवेयन में 408/10-11 एवं BEM - UJH सेवेयन में 375/02/03/04 पर NHAH के ROB के निर्माण के सम्बंध में OHE में तरोशेयन। टेंडर रिफरेंस नं. SRDEE-TRD-IZN-2026-27-115, कार्य का अनुमानित लागत रुपया में: ₹ 23,33,055.06, वरीडर राशि रुपया में: ₹ 46,700.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपया में: शून्य, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 17.11.2026, 11:00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 माह, खुली ई-निविदा दिनांक 17.11.2026 को 11.00 बजे तक जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी गुवागि/विद्युत-237 इण्डियनगैर गाडियों की छतों व पावदान पर कक्षाएं यात्रा न करें।

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी सूचना
मालदा मंडल के भागलपुर स्टेशन में पार्किंग लॉट के संचालन के लिए उपार्जन सौविदाएं प्रदान करना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा मंडल, मालदा टाउन कार्यालय भवन, टाकबर-झलझाल, जिला-मालदा, पिन-732102 (प. बं.) (नीलामी संचालन अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत भागलपुर (बोंजीपी) रेलवे स्टेशन में पार्किंग लॉट के संचालन हेतु www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी सूचीकरण प्रकाशित किया है। नीलामी सूचीकरण सं.: पार्किंग-22-2026। नीलामी शुरु: 02.11.2026 को 11.00 बजे। लॉट नं.: पार्किंग-एमएलडीटी-बीजीपी-एमएस-55-26-3। स्टेशन: भागलपुर (बोंजीपी)। आगे के विवरण के लिए प्रत्याशित बोलौदाताओं से आईआरडीगोएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-231/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.e.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं। हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी सूचना
एडमिन यूनिट/जोन: सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, डीआएम बिल्डिंग, कांजूर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700 014, ऑडिशनल कंट्रोलिंग सं.: एफडीएच-पार्ल-69, नीलामी कार्य के पहले अधिकारी: वॉरिष्ठ डीसीपी। नीलामी शुरू (सी. लॉट): 09.11.2026 को 12.00 बजे। नीलामी की अंतिम तिथि/समय: 09.11.2026 को 14.00 बजे। लातारार रॉट का समापन अंतराल: 10 निमि। विवरण: एसएलआर कोच में पार्सल जगह (सिंगल कम्पार्टमेंट) [क्रम सं. ए/1/ से ए/9 के लिए] और पार्सल वेन में पार्सल जगह [क्रम सं. एबी/1 के लिए]। [क्रम सं., लॉट सं./क्रेटर, टिप/दिन, अंतिम तिथि/समय निम्नासृत हैं: ए/1/ 13163-एसएलआर-एफा-एसएलआर-एसएलसी-26-1 (पार्सल-एसएलआर), 783, 09.11.2026 को 12.30 बजे, ए/2, 12317-एसएलआर-एफा-कैओए-एसआर-26-1(पार्सल-एसएलआर), 313, 09.11.2026 को 12.40 बजे, ए/3, 13157-एसएलआर-एफा-कैओए-एसएसी-26-1 (पार्सल-एसएलआर), 156, 09.11.2026 को 12.50 बजे, ए/4, 22587-एसएलआर-एफा-एसडीएच-बीएसएलआर-26-2 (पार्सल-एसएलआर), 470, 09.11.2026 को 13.00 बजे, ए/5, 12357-एसएलआर-एफा-कैओए-एसआर-26-1, (पार्सल-एसएलआर) 313, 09.11.2026 को 13.10 बजे, ए/6, 22317-एसएलआर-एफा-एसडीएच-जेटी-26-1, (पार्सल-एसएलआर), 156, 09.11.2026 को 13.20 बजे, ए/7, 12259-एसएलआर-एफा-एसडीएच-बीएसएलआर-26-1, (पार्सल-एसएलआर), 626, 09.11.2026 को 13.30 बजे, ए/8, 12363-एसएलआर-एफा-कैओए-एफडीबी-26-1, (पार्सल-एसएलआर), 470, 09.11.2026 को 13.40 बजे, ए/9, 12496-एसएलआर-एफा-कैओए-बीकेन-26-1, (पार्सल-एसएलआर), 157, 09.11.2026 को 13.50 बजे, एबी/1, 13151-13152-एबी-1-कैओए-जेटी-26-3 (पार्सल-पार्सल), 940, 09.11.2026 को 14.00 बजे, रट यूनिट: प्रिंट टिप इंडास्ट्रियल शुल्क [क्रम सं. ए/1/ से ए/9 के लिए] और प्रिंट राउंड टिप (दो तरफा) [क्रम सं. एबी/1 के लिए]। ईएमपी : 10 टिप का बोली मूल्य (न्यूनतम 5 लाख) [क्रम सं. ए/1 से ए/9 के लिए] और 5 राउंड टिप का बोली मूल्य (न्यूनतम 10 लाख) [क्रम सं. एबी/1 के लिए]। SDAH-27/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.e.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है। हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आसनसोल मंडल में विकास संबंधी कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

आसनसोल मंडल के खाना-आसनसोल खंड में अंडाल में फुट ओवर ब्रिज स्थापित करने के साथ-साथ दुर्गापुर में आर्च ब्रिज नंबर 396ए को टटाने के लिए, दिनांक 23.12.2026 (बुधवार) को मेगा ट्रेनिक और पावर बर्लान आवश्यक होगा। इसके परिणामस्वरूप, निम्नलिखित निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएगी:-
● **सेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का निरन्तरिकरण:** (1) 12023/12024 हावड़ा-पटना-हावड़ा जन शाताब्दी एक्सप्रेस (दोनों के लिए यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (2) 22321/22322 हावड़ा - सिउड़ी - हावड़ा हूत एक्सप्रेस (दोनों के लिए यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (3) 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (4)22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (5) 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुत्र एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (6) 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुत्र एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (7) 13151 हावड़ा-जम्मू तवी एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 19.12 और 23.12.2026); (8) 13152 जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 21.12 और 25.12.2026); (9) 19608 मदार जंक्शन-कोलकाता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 21.12.2026); (10) 19607 कोलकाता-मदार जंक्शन एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 24.12.2026); (11) 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 22.12.2026); (12) 12987 सियालदह - अजमेर एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (13) 12319 कोलकाता-खालियार एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026); (14) 12320 खालियार-कोलकाता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 24.12.2026)।
●